इस प्रश्न–पत्र में **37 प्रश्न** तथा **12 मुद्रित पृष्ठ** हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

Code No. 68/OS/2
कोड नं.

Set / सेट – A

HINDI
हिन्दी
(201)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ______________________

Signature of Invigilators
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ______________________

2. ______________________

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई **एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में सही उत्तर लिखना है।

4 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ–साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।

5 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।

6 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नं. **68/OS/2, सेट – A** लिखें।

HINDI

हिन्दी

(201)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश :

(i) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या **37** है और सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक उनके समक्ष दिये गए हैं।

(iii) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं – खंड 'अ' और खंड 'ब'।

(iv) खंड 'अ' में वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय और खंड 'ब' में विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(v) खंड 'अ' में कुल **27** प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **1 से 5** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **6** अपठित कविता पर, प्रश्न संख्या **7 से 19** पठित गद्य पर, प्रश्न संख्या **20** अपठित गद्यांश पर और प्रश्न संख्या **21 से 27** व्याकरण पर आधारित प्रश्न हैं।

(vi) खंड 'ब' में कुल **10** प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **28 से 30** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **31 से 34** पठित गद्य पर तथा प्रश्न संख्या **35 से 37** लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न हैं। प्रश्नों के साथ उनके आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सामान्य अनुदेश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

2. इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा। **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

खंड 'अ'

(वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय)

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

1 आह्वान कविता के अनुसार भाग्य भी उसी का साथ देता है जो मेहनती और ______ होते हैं। 1

2 कबीर ने मनुष्य के तन को ______ के घड़े जैसा माना है। 1

(A) चाँदी (B) पीतल

(C) सोने (D) मिट्टी

3 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए :

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में 'नदियाँ मुँह ढाँपकर रोती हैं' का अर्थ है _____। 1

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने चाँद के बारे में यह कल्पना की है कि चाँद एक चाँदी का ______ है। 1

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है मूर्ख जिसकी ______ का विकास न हुआ हो। 1

4 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) _____ और _____ सिक्के के दो पहलू हैं। आज़ादी को बनाए रखने के इन दोनों की आवश्यकता है। 1×2=2

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में सफेद बगुलों को _____ बताकर उसके माध्यम से ______ व्यक्तियों के ऊपर व्यंग्य किया है। 1×2=2

5 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) आज़ादी कविता में दर्जी ने शागिर्द से कहा कि आज़ादी एक ______ है जिसका माध्यम ______ है। 1×2=2

(ख) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता की कवयित्री _____ तथा व्यक्तिगत ______ को मानव–विरोधी भाव बताती है। 1×2=2

6 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **4**

मैं चला, तुम्हें भी चलना है असिधारों पर,
सर काट हथेली पर लेकर बढ़ आओ तो।
इस युग को नूतन स्वर तुमको ही देना है,
अपनी क्षमता को आज ज़रा अज़माओ तो।
दे रहा चुनौती समय अभी नवयुवकों को,
मैं किसी तरह मंजिल तक पहले पहुँचूँगा।
इस महाशांति के लिए हवन–वेदी पर मैं,
हंसते–हंसते प्राणों की बलि दे जाऊँगा।
तुम बना सकोगे भूतल का इतिहास नया,
मैं गिरे–हुए लोगों को गले लगाऊँगा।
क्यों ऊँच–नीच, कुल जाति, रंग का भेद–भाव?
मैं रूढ़िवाद का कल्मष–महल ढहाऊँगा।
जिनका जीवन वसुधा की रक्षा हेतु बना,
मर कर भी सदियों तक यों ही वे जीते हैं।
दुनिया को देते हैं यश की रसधार विमल,
खूब हंसते–हंसते कालकूट को पीते हैं।
है अगर तुम्हें यह भूख 'मुझे भी जीना है।'
तो आओ मेरे साथ नींव में गढ़ जाओ।
ऊपर इसके निर्मित होगा आनंद–महल,
मरते–मरते भी दुनिया में कुछ कर जाओ।

(i) यह कविता क्या प्रेरणा देती है?
- (A) आत्मबलिदान की।
- (B) संघर्ष की।
- (C) चुनौती की।
- (D) युद्ध की।

(ii) 'असिधारों पर चलने' का आशय है ______
- (A) संकटों में जीना।
- (B) मृत्यु–पथ पर चलना।
- (C) मौत का खतरा उठाकर कर्म करना।
- (D) कठिन–कर्म करना।

(iii) '<u>मरते–मरते</u> भी दुनिया में कुछ कर जाओ।' रेखांकित में कौन–सा अलंकार है?
- (A) उपमा
- (B) रूपक
- (C) उत्प्रेक्षा
- (D) पुनरुक्ति प्रकाश

(iv) 'नींव में गढ़ जाना' प्रतीकार्थ है ______
- (A) चुपचाप मरना।
- (B) मौन रूप से समर्पण करना।
- (C) मौन रहकर जीना।
- (D) मौत को गले लगाना।

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

7 किसी भी उत्पाद अथवा योजना की जानकारी देने के उद्देश्य से सरल और रोचक भाषा में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत की गई सूचनाओं को क्या कहते हैं? ______ 1

(A) फ़ीचर (B) विज्ञापन

(C) साक्षात्कार (D) समाचार

8 गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य से क्या सीखती है? ______ 1

(A) तरस खाना (B) आत्म–विश्लेषण

(C) निस्वार्थ प्रेम (D) दया करना

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए:

9 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ के अनुसार मरे हुए बच्चे को गोद में दबाए रखने वाली बंदरिया का उदाहरण देने का उद्देश्य है : ______ 1

(A) मोह–ममता को बनाए रखना। (B) परंपराओं का पालन करना।

(C) रूढ़ियों का मोह त्यागना। (D) नए को शंका की दृष्टि से देखना

10 शतरंज के खिलाड़ी कहानी के पात्र मिरज़ा साहब में मीर साहब के प्रति प्रतिकार की भावना आती जा रही थी क्योंकि ______ 1

(A) उनकी बेगम में उनके प्रति गुस्सा था। (B) वे उनके कट्टर शत्रु थे।

(C) उन्हें सिपाही उकसाते थे। (D) वे शतरंज में लगातार हार रहे थे।

11 सरकारी कार्यालयों में सार–लेखन का प्रयोग ______ किया जाता है। 1

(A) समय बचाने के लिए। (B) पैसे खर्च करने के लिए।

(C) फाइलें फेंकने के लिए। (D) कार्रवाई न करनी पड़े इसलिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए :

12 सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया बार–बार मिस्र देश का जिक्र करती है। इससे उसके चरित्र की इस विशेषता का पता चलता है कि उसे ______ है। 1

13 अनौपचारिक पत्र को ______ भी कहते हैं। 1

14 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×2=2

(क) 'बहादुर' पाठ के लेखक हैं ______।

(ख) अंधेर नगरी एक ______ है, जिसमें शासन–व्यवस्था की विसंगतियों का उद्घाटन किया गया है।

15 निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए – 1×2=2

(क) 'मेरा काम सबसे पहले होना चाहिए।' ______

(ख) 'कल घोषणा करवा दो कि यहाँ चिड़ियाँ न मरने पाएँ।' ______

16 नीचे दिए गए कथनों को उत्तर–पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत। 1×2=2

(क) निबंध में क्रमबद्धता होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा प्रभावशाली होने चाहिए।

(ख) 'अंधेर नगरी' नाटक में महंत का पात्र लालची और स्वार्थी है।

17 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ के अनुसार चरितार्थता प्रेम में है, ______ में है, ______ में है। अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में हैं। 1×2=2

(क) प्रेम, जिज्ञासा (ख) मैत्री, त्याग

(ग) मैत्री, पशुता (घ) त्याग, स्वार्थ

18 नीचे दिए गए पाठों और उनकी विधाओं के सही युग्म चुनिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – 1×2=2

	पाठ का नाम	पाठ की विधा
(क)	बहादुर	ललितनिबंध
(ख)	नाखून क्यों बढ़ते हैं?	कहानी

19 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×2=2

(क) मैं ______ में रहता था, जहाँ दुख को प्रवेश करने की इज़ाजत नहीं थी।

(ख) वाजिद अली शाह का समय था, लखनऊ ______ के रंग में डूबा हुआ था।

20 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **4**

शिशु में स्वावलंबन के भाव को जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। पराश्रित रहने की आदत से व्यक्ति अपंग हो जाता है। जो स्वयं अपनी छोटी–मोटी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर आश्रित रहेगा, वह दूसरों के हित के लिए कुछ भी नहीं कर पाएगा। स्वावलंबन का गुण शिशु में स्वतः ही नहीं आ जाता, इसके लिए सुनियोजित शिक्षा–पद्धति परिहार्य है। शिशु को यदि हम राष्ट्र की अमूल्य निधि के रूप में देखना चाहते हैं तो उसे एक ऐसा आदर्श वातावरण प्रदान करना है जिसमें निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास हो सके। स्वच्छ, शांत, भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में ही शिशु की कोमल भावनाएँ सुरक्षित रह सकती हैं। शिशु की सुकोमल भावनाओं को आघात पहुँचाना सामाजिक अपराध है। राष्ट्र का यह पुनीत कर्तव्य है कि वह प्रत्येक बालक को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराए कि उसमें हीन भावना न पनपने पाए। हीन भावना से ग्रसित बालक बड़ा होने पर समाज के प्रति अपने कर्तव्य का सही रूप में निर्वाह नहीं कर सकता। हमें बालक के अंदर से 'मेरे' और 'अपने' के भाव को हटाकर 'हमारा' का भाव पैदा करना है। इससे शिशु में आध्यात्मिक चेतना भी जागेगी, उसका नाता पूर्वज़ों से और देश की मिट्टी से जुड़ेगा और उसके अंतःकरण का विकास होगा।

(i) शिशु को राष्ट्र की अमूल्य निधि किस प्रकार बनाया जा सकता है?

(A) निर्बाध गति से उसे जोड़कर

(B) निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास करके

(C) निर्बाध गति से उसे आश्रित बनाकर

(D) निर्बाध गति से उसे आगे बढ़ाकर

(ii) गद्यांश के आधार पर राष्ट्र का पुनीत कर्तव्य क्या है?

(A) बच्चे में हीन भावना पनपने न देना।

(B) बच्चे की सुकोमल भावनाओं को संभालना।

(C) बच्चे की भावना को सुरक्षित न रखना।

(D) बच्चे को स्वस्थ और सबल वातावरण प्रदान करना।

(iii) बच्चे को संकीर्णता से उबारने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

(A) उसके भीतर दया का भाव जगाना चाहिए।

(B) उसके भीतर 'मेरे' और 'अपने' का भाव जगाना चाहिए।

(C) उसके भीतर 'हमारा' का भाव जगाना चाहिए।

(D) उसके भीतर आध्यात्मिकता का भाव जगाना चाहिए।

(iv) शिशु में 'हमारा' का भाव भरने पर क्या होगा?

(A) अंतःकरण जीवित हो जाएगा।

(B) आध्यात्मिक चेतना जागेगी और अंतःकरण का विकास होगा।

(C) आध्यात्मिक चेतना को रास्ता मिलेगा।

(D) उसकी सोच में संकीर्णता आएगी।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

21 'आँखे खुलना' मुहावरे का अर्थ है ______। 1

(A) नींद न आना (B) सचेत होना

(C) आँख को खटकना (D) अच्छा न लगना

22 'चरण–कमल' ______ समास का उदाहरण है। 1

(A) द्विगु (B) अव्ययीभाव

(C) कर्मधारय (D) द्वंद्व

23 निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है ______। 1

(A) काटो खरगोश को दो गाजर। (B) गाजर काट कर खरगोश को दो।

(C) खरगोश को गाजर काट कर दो। (D) गाजर खरगोश को काट कर दो।

24 बिल्ली झाड़ियों के पीछे छिपकर बैठ गई और कुत्ते के जाने की प्रतीक्षा करने लगी। 1

यह ______ वाक्य है।

(A) संयुक्त (B) मिश्र

(C) सरल (D) प्रश्नवाचक

25 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×2=2

(i) परमाणु का संधि–विच्छेद ______ है।

(ii) विद्यार्थी का संधि–विच्छेद ______ है।

26 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×2=2

(i) विलास शब्द में ______ उपसर्ग का प्रयोग किया गया है।

(ii) दुकानदार शब्द में ______ प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

27 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×2=2

(i) चाँदनी, छत्र, दुग्ध, डिग्री में से तद्‌भव शब्द है ______।

(ii) गमला, बाज़ार, उज्ज्वल, कंगन में से तत्सम शब्द है ______।

खंड 'ब'

(विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक)

28 निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए– **4**

कभी महसूस किया कि किस कदर दहलता है
मौन समाधि लिए बैठे पहाड़ का सीना
विस्फोट से टूटकर जब छिटकता दूर
तक, कोई पत्थर?
सुनाई पड़ी है कभी भरी दुपहरिया में,
हथौड़ों की चोट से टूटकर बिखरते
पत्थरों की चीख़?

अथवा

आज़ादी वह फसल है जिसे
बोने वाला ही काट सकता है,
वह रोटी, जिसे मेहनती ही खा सकता है,
यह वह कपड़ा है, जिसे दर्जी ही पहन सकता है'',
यह कहकर दर्जी फिर से कपड़े सीने लगा
शागिर्द की उलझन दूर हुई और
वह सुई में धागा पिरोने लगा।

29 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **3**

खैर, खून, खाँसी, खुसी वैर, प्रीति, मदपान।
रहिमन दाबै न दबैं, जानत सकल ज़हान॥

अथवा

फाग गाता मास फागुन
आ गया है आज जैसे।
देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में
दूर व्यापारिक नगर से
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

30 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×3=6**

(क) आपके विचार में आज़ादी का वास्तविक अर्थ क्या है ?

(ख) 'आह्वान' कविता के कवि ने 'उद्बोधन' और 'आह्वान' में क्या अंतर बताया है ?

(ग) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुःख' कविता में कवयित्री ने किन विषयों पर चिंता प्रकट की है ?

(घ) कबीर के अनुसार एक व्यक्ति में ऊँचे कुल में जन्म लेने के साथ–साथ और क्या होना आवश्यक है ?

31 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×3=6**

(क) 'अंधेर नगरी' नाटक में दिखाए गए परिवेश का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के इस वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए – ''कोई योगी भी समाधि में इतना एकाग्र न होता होगा!''

(ग) लेखक ने राजकुमार को सुखी राजकुमार क्यों कहा है ?

(घ) 'बहादुर ईमानदार है।' स्पष्ट कीजिए।

32 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×2=4**

(क) बहादुर के चले जाने पर सबसे अधिक किन्हें अपनी गलतियों का अहसास होता है और क्यों ?

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर द्वारा राजकुमार और गौरैया को स्वर्ग में स्थान देने की बात से कहानीकार क्या संदेश देना चाहता है ?

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक का कौन–सा पात्र आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों ?

33 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

नाखून का बढ़ना मनुष्य के भीतर की पशुता की निशानी है और उसे नहीं बढ़ने देना मनुष्य की अपनी इच्छा है; अपना आदर्श है। बृहत्तर जीवन में अस्त्र–शस्त्रों को बढ़ने देना मनुष्य की पशुता की निशानी है और उनकी बाढ़ को रोकना मनुष्यत्व का तकाज़ा है। मनुष्य में जो घृणा है जो अनायास – बिना सिखाये – आ जाती है, वह पशुत्व की द्योतक है और अपने को संयत रखना, दूसरे के मनोभावों का आदर करना मनुष्य का स्वधर्म है। बच्चे यह जाने तो अच्छा हो कि अभ्यास और तप से वस्तुएँ, मनुष्य की महिमा को सूचित करती हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम बताइए। **1**

(ख) गद्यांश का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) आज के परिवेश में नई पीढ़ी में सद्गुणों का विकास किन–किन उपायों द्वारा हो सकता है ? **2**

अथवा

बटेर लड़ रहे हैं। तीतरों की लड़ाई के लिए पाली बदी जा रही है। कहीं चौसर बिछी हुई है, पौ–बारह का शोर मचा हुआ है। कहीं शतरंज का घोर संग्राम छिड़ा हुआ है। राजा से लेकर रंक तक इसी धुन में मस्त थे। यहाँ तक कि फकीरों को पैसे मिलते तो वे रोटियाँ न लेकर अफ़ीम खाते या मदक पीते। शतरंज, ताश गंजीफ़ा खेलने से बुद्धि तीव्र होती है, विचार शक्ति का विकास होता है, पेचीदा मसलों को सुलझाने की आदत पड़ती है – ये दलीलें/ज़ोरों के साथ पेश की जाती थीं (इस सम्प्रदाय के लोगों से दुनिया अब भी खाली नहीं है।) इसलिए, अगर मिरज़ा सज्जाद अली और मीर रौशन अली अपना अधिकांश समय बुद्धि तीव्र करने में व्यतीत करते थे, तो किसी विचारशील पुरुष को क्या आपत्ति हो सकती है?

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम बताइए। **1**

(ख) इस गद्यांश का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) उपर्युक्त गद्यांश की भाषा–शैली पर टिप्पणी लिखिए। **2**

34 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **5**

तो बच्चा! ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके ही सेर खाजा हो। सो बच्चा चलो यहाँ से। ऐसी अंधेर नगरी में हज़ार मन मिठाई मुफ़्त की मिले, तो किस काम की? यहाँ एक छन नहीं रहना।

गुरुजी, ऐसा तो संसार–भर में कोई देस ही नहीं है। दो पैसा पास रहने ही मज़े में पेट भरता है। मैं तो इस नगरी को छोड़कर नहीं जाऊँगा।

अथवा

गौतम ने ठीक ही कहा था कि मनुष्य की मनुष्यता यही है कि वह सबके दुख–सुख को सहानुभूति के साथ देखता है। यह आत्म–निर्मित बंधन ही मनुष्य को मनुष्य बनाता है। अहिंसा, सत्य और अक्रोधमूलक धर्म का मूल उत्स यही है। मुझे आश्चर्य होता है कि अनजाने में भी हमारी भाषा में यह भाव कैसे रह गया है! लेकिन, मुझे नाखून के बढ़ने पर आश्चर्य हुआ था।

35 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसका सार एक–तिहाई शब्दों में लिखिए – **5**

प्रत्येक मनुष्य अपनी रुचि के अनुसार अपना जीवन लक्ष्य निर्धारित करता है। कोई व्यापारी बनना चाहता है तो कोई सरकारी कर्मचारी, कोई इंजीनियर बनने की लालसा से प्रेरित है तो कोई डॉक्टर बनना चाहता है। स्वार्थ पूर्ति के लिए किया गया काम उच्च कोटि की संज्ञा नहीं पा सकता। स्वार्थ के पीछे तो संसार पागल है। लोग भूल गए हैं कि जीवन का रहस्य निष्काम सेवा है। जो व्यक्ति लालच से प्रेरित होकर काम करता है, वह कभी सुपरिणाम नहीं ला सकता। उससे समाज का कोई भला नहीं होता। निष्काम सेवा के द्वारा ही मनुष्य समाज के प्रति अपना उत्तरदायित्व निभा सकता है। निष्काम सेवा के द्वारा ही ईश्वर को प्राप्त किया जाता है। समाज और देश को उन्नति की ओर ले जाने का श्रेष्ठतम तथा सरलतम साधन यही है। हमारे संत कवियों तथा समाज सुधारकों ने इसी भाव से प्रेरित होकर अपनी चिंता छोड़ देश और समाज के कल्याण का रास्ता चुना। वे राष्ट्र और समाज के लिए बहुत कुछ कर पाए। अपने लिए तो सभी जीते हैं जो दूसरों के लिए जीता है उसका जीवन अमर हो जाता है। वही मनुष्य महान है जो मनुष्य के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दे।

36 किसी प्रतिष्ठित पत्र के संपादक को पत्र लिखकर नगर में डेंगू फैलने के कारणों की चर्चा करते हुए इससे निपटने की अपर्याप्त तैयारियों का उल्लेख कीजिए। **5**

अथवा

अपनी वायुयान–यात्रा के आनंद का वर्णन करते हुए अपने मित्र/सखी को पत्र लिखिए।

37 निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए : **7**

(क) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

(ख) भारतीय गाँव

(ग) कंप्यूटर : आज की आवश्यकता

(घ) मेले का दृश्य

इस प्रश्न–पत्र में **37 प्रश्न** तथा **12 मुद्रित पृष्ठ** हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No. 68/OS/2
कोड नं.

Set / सेट – B

HINDI
हिन्दी
(201)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ______________________

Signature of Invigilators
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ______________________

2. ______________________

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई **एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में सही उत्तर लिखना है।

4 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ–साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।

5 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।

6 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नं. **68/OS/2, सेट – B** लिखें।

HINDI

हिन्दी

(201)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश :

(i) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या **37** है और सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक उनके समक्ष दिये गए हैं।

(iii) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं – खंड 'अ' और खंड 'ब'।

(iv) खंड 'अ' में वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय और खंड 'ब' में विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(v) खंड 'अ' में कुल **27** प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **1 से 5** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **6** अपठित कविता पर, प्रश्न संख्या **7 से 19** पठित गद्य पर, प्रश्न संख्या **20** अपठित गद्यांश पर और प्रश्न संख्या **21 से 27** व्याकरण पर आधारित प्रश्न हैं।

(vi) खंड 'ब' में कुल **10** प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **28 से 30** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **31 से 34** पठित गद्य पर तथा प्रश्न संख्या **35 से 37** लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न हैं। प्रश्नों के साथ उनके आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सामान्य अनुदेश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

2. इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा। **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

खंड 'अ'

(वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय)

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।

1 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) _____ और _____ सिक्के के दो पहलू हैं। आज़ादी को बनाए रखने के इन दोनों की आवश्यकता है। 1×2=2

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में सफेद बगुलों को _____ बताकर उसके माध्यम से ______ व्यक्तियों के ऊपर व्यंग्य किया है। 1×2=2

2 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) आज़ादी कविता में दर्जी ने शागिर्द से कहा कि आज़ादी एक ______ है जिसका माध्यम ______ है। 1×2=2

(ख) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता की कवयित्री _____ तथा व्यक्तिगत ______ को मानव–विरोधी भाव बताती है। 1×2=2

3 आह्वान कविता के अनुसार भाग्य भी उसी का साथ देता है जो मेहनती और ______ होते हैं। 1

4 कबीर ने मनुष्य के तन को ______ के घड़े जैसा माना है। 1

(A) चाँदी (B) पीतल

(C) सोने (D) मिट्टी

5 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए :

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में 'नदियाँ मुँह ढाँपकर रोती हैं' का अर्थ है _____। 1

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने चाँद के बारे में यह कल्पना की है कि चाँद एक चाँदी का ______ है। 1

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है मूर्ख जिसकी ______ का विकास न हुआ हो। 1

6 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **4**

मैं चला, तुम्हें भी चलना है असिधारों पर,
सर काट हथेली पर लेकर बढ़ आओ तो।
इस युग को नूतन स्वर तुमको ही देना है,
अपनी क्षमता को आज ज़रा अज़माओ तो।
दे रहा चुनौती समय अभी नवयुवकों को,
मैं किसी तरह मंजिल तक पहले पहुँचूँगा।
इस महाशांति के लिए हवन–वेदी पर मैं,
हंसते–हंसते प्राणों की बलि दे जाऊँगा।
तुम बना सकोगे भूतल का इतिहास नया,
मैं गिरे–हुए लोगों को गले लगाऊँगा।
क्यों ऊँच–नीच, कुल जाति, रंग का भेद–भाव ?
मैं रूढ़िवाद का कल्मष–महल ढहाऊँगा।
जिनका जीवन वसुधा की रक्षा हेतु बना,
मर कर भी सदियों तक यों ही वे जीते हैं।
दुनिया को देते हैं यश की रसधार विमल,
खूब हंसते–हंसते कालकूट को पीते हैं।
है अगर तुम्हें यह भूख 'मुझे भी जीना है।'
तो आओ मेरे साथ नींव में गढ़ जाओ।
ऊपर इसके निर्मित होगा आनंद–महल,
मरते–मरते भी दुनिया में कुछ कर जाओ।

(i) यह कविता क्या प्रेरणा देती है ?
- (A) आत्मबलिदान की।
- (B) संघर्ष की।
- (C) चुनौती की।
- (D) युद्ध की।

(ii) 'असिधारों पर चलने' का आशय है ______
- (A) संकटों में जीना।
- (B) मृत्यु–पथ पर चलना।
- (C) मौत का खतरा उठाकर कर्म करना।
- (D) कठिन–कर्म करना।

(iii) '<u>मरते–मरते</u> भी दुनिया में कुछ कर जाओ।' रेखांकित में कौन–सा अलंकार है ?
- (A) उपमा
- (B) रूपक
- (C) उत्प्रेक्षा
- (D) पुनरुक्ति प्रकाश

(iv) 'नींव में गढ़ जाना' प्रतीकार्थ है ______
- (A) चुपचाप मरना।
- (B) मौन रूप से समर्पण करना।
- (C) मौन रहकर जीना।
- (D) मौत को गले लगाना।

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

7 सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया बार–बार मिस्र देश का जिक्र करती है। इससे उसके चरित्र की इस विशेषता का पता चलता है कि उसे ______ है। 1

8 अनौपचारिक पत्र को ______ भी कहते हैं। 1

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए:

9 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×2=2

(क) 'बहादुर' पाठ के लेखक हैं ______।

(ख) अंधेर नगरी एक ______ है, जिसमें शासन–व्यवस्था की विसंगतियों का उद्‌घाटन किया गया है।

10 निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए – 1×2=2

(क) 'मेरा काम सबसे पहले होना चाहिए।' ______

(ख) 'कल घोषणा करवा दो कि यहाँ चिड़ियाँ न मरने पाएँ।' ______

11 नीचे दिए गए कथनों को उत्तर–पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत। 1×2=2

(क) निबंध में क्रमबद्धता होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा प्रभावशाली होने चाहिए।

(ख) 'अंधेर नगरी' नाटक में महंत का पात्र लालची और स्वार्थी है।

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए :

12 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ के अनुसार चरितार्थता प्रेम में है, ______ में है, ______ में है। अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में हैं। 1×2=2

(क) प्रेम, जिज्ञासा (ख) मैत्री, त्याग

(ग) मैत्री, पशुता (घ) त्याग, स्वार्थ

13 नीचे दिए गए पाठों और उनकी विधाओं के सही युग्म चुनिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – 1×2=2

पाठ का नाम	पाठ की विधा
(क) बहादुर	ललितनिबंध
(ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं?	कहानी

14 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×2=2

(क) मैं ______ में रहता था, जहाँ दुख को प्रवेश करने की इज़ाजत नहीं थी।

(ख) वाजिद अली शाह का समय था, लखनऊ ______ के रंग में डूबा हुआ था।

15 किसी भी उत्पाद अथवा योजना की जानकारी देने के उद्‌देश्य से सरल और रोचक भाषा में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत की गई सूचनाओं को क्या कहते हैं? ______ 1

(A) फ़ीचर (B) विज्ञापन

(C) साक्षात्कार (D) समाचार

16 गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य से क्या सीखती है? ______ 1

(A) तरस खाना (B) आत्म–विश्लेषण

(C) निस्वार्थ प्रेम (D) दया करना

17 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ के अनुसार मरे हुए बच्चे को गोद में दबाए रखने वाली बंदरिया का उदाहरण देने का उद्‌देश्य है : ______ 1

(A) मोह–ममता को बनाए रखना। (B) परंपराओं का पालन करना।

(C) रूढ़ियों का मोह त्यागना। (D) नए को शंका की दृष्टि से देखना

18 शतरंज के खिलाड़ी कहानी के पात्र मिरज़ा साहब में मीर साहब के प्रति प्रतिकार की भावना आती जा रही थी क्योंकि ______ 1

(A) उनकी बेगम में उनके प्रति गुस्सा था। (B) वे उनके कट्टर शत्रु थे।

(C) उन्हें सिपाही उकसाते थे। (D) वे शतरंज में लगातार हार रहे थे।

19 सरकारी कार्यालयों में सार–लेखन का प्रयोग ______ किया जाता है। 1

(A) समय बचाने के लिए।
(B) पैसे खर्च करने के लिए।
(C) फाइलें फेंकने के लिए।
(D) कार्रवाई न करनी पड़े इसलिए।

20 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 4

शिशु में स्वावलंबन के भाव को जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। पराश्रित रहने की आदत से व्यक्ति अपंग हो जाता है। जो स्वयं अपनी छोटी–मोटी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर आश्रित रहेगा, वह दूसरों के हित के लिए कुछ भी नहीं कर पाएगा। स्वावलंबन का गुण शिशु में स्वतः ही नहीं आ जाता, इसके लिए सुनियोजित शिक्षा–पद्धति परिहार्य है। शिशु को यदि हम राष्ट्र की अमूल्य निधि के रूप में देखना चाहते हैं तो उसे एक ऐसा आदर्श वातावरण प्रदान करना है जिसमें निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास हो सके। स्वच्छ, शांत, भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में ही शिशु की कोमल भावनाएँ सुरक्षित रह सकती हैं। शिशु की सुकोमल भावनाओं को आघात पहुँचाना सामाजिक अपराध है। राष्ट्र का यह पुनीत कर्तव्य है कि वह प्रत्येक बालक को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराए कि उसमें हीन भावना न पनपने पाए। हीन भावना से ग्रसित बालक बड़ा होने पर समाज के प्रति अपने कर्तव्य का सही रूप में निर्वाह नहीं कर सकता। हमें बालक के अंदर से 'मेरे' और 'अपने' के भाव को हटाकर 'हमारा' का भाव पैदा करना है। इससे शिशु में आध्यात्मिक चेतना भी जागेगी, उसका नाता पूर्वज़ों से और देश की मिट्टी से जुड़ेगा और उसके अंतःकरण का विकास होगा।

(i) शिशु को राष्ट्र की अमूल्य निधि किस प्रकार बनाया जा सकता है?

(A) निर्बाध गति से उसे जोड़कर
(B) निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास करके
(C) निर्बाध गति से उसे आश्रित बनाकर
(D) निर्बाध गति से उसे आगे बढ़ाकर

(ii) गद्यांश के आधार पर राष्ट्र का पुनीत कर्तव्य क्या है?

(A) बच्चे में हीन भावना पनपने न देना।
(B) बच्चे की सुकोमल भावनाओं को संभालना।
(C) बच्चे की भावना को सुरक्षित न रखना।
(D) बच्चे को स्वस्थ और सबल वातावरण प्रदान करना।

(iii) बच्चे को संकीर्णता से उबारने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

(A) उसके भीतर दया का भाव जगाना चाहिए।

(B) उसके भीतर 'मेरे' और 'अपने' का भाव जगाना चाहिए।

(C) उसके भीतर 'हमारा' का भाव जगाना चाहिए।

(D) उसके भीतर आध्यात्मिकता का भाव जगाना चाहिए।

(iv) शिशु में 'हमारा' का भाव भरने पर क्या होगा?

(A) अंतःकरण जीवित हो जाएगा।

(B) आध्यात्मिक चेतना जागेगी और अंतःकरण का विकास होगा।

(C) आध्यात्मिक चेतना को रास्ता मिलेगा।

(D) उसकी सोच में संकीर्णता आएगी।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

21 निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है ______ । **1**

(A) हम पर सूरदास के पद पढ़े हैं। (B) हमसे सूरदास के पद पढ़े हैं।

(C) हमने सूरदास के पद पढ़े हैं। (D) हममें सूरदास के पद पढ़े हैं।

22 'घी के दिए जलाना' मुहावरे का अर्थ है ______। **1**

(A) रोशनी करना (B) दीपावली मनाना

(C) लक्ष्मीपूजा करना (D) बहुत प्रसन्न होना

23 'शरणागत' ______ समास का उदाहरण है। **1**

(A) तत्पुरुष (B) द्वंद्व

(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

24 बिल्ली झाड़ियों के पीछे छिपकर बैठ गई और कुत्ते के जाने की प्रतीक्षा करने लगी। **1**

यह ______ वाक्य है।

(A) संयुक्त (B) मिश्र

(C) सरल (D) प्रश्नवाचक

25 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×2=2

(i) इत्यादि का संधि–विच्छेद ______ है।

(ii) परमेश्वर का संधि–विच्छेद ______ है।

26 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×2=2

(i) मोटापा शब्द में ______ प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

(ii) अनुराग शब्द में ______ उपसर्ग का प्रयोग किया गया है।

27 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×2=2

(i) चाँदनी, छत्र, दुग्ध, डिग्री में से तद्भव शब्द है ______।

(ii) गमला, बाज़ार, उज्ज्वल, कंगन में से तत्सम शब्द है ______।

खंड 'ब'

(विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक)

28 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – 2×3=6

(क) आपके विचार में आज़ादी का वास्तविक अर्थ क्या है ?

(ख) 'आह्वान' कविता के कवि ने 'उद्बोधन' और 'आह्वान' में क्या अंतर बताया है ?

(ग) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुःख' कविता में कवयित्री ने किन विषयों पर चिंता प्रकट की है ?

(घ) कबीर के अनुसार एक व्यक्ति में ऊँचे कुल में जन्म लेने के साथ–साथ और क्या होना आवश्यक है ?

29 निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए– 4

कभी महसूस किया कि किस कदर दहलता है
मौन समाधि लिए बैठे पहाड़ का सीना
विस्फोट से टूटकर जब छिटकता दूर
तक, कोई पत्थर ?
सुनाई पड़ी है कभी भरी दुपहरिया में,
हथौड़ों की चोट से टूटकर बिखरते
पत्थरों की चीख़ ?

अथवा

आज़ादी वह फसल है जिसे
बोने वाला ही काट सकता है,
वह रोटी, जिसे मेहनती ही खा सकता है,
यह वह कपड़ा है, जिसे दर्जी ही पहन सकता है",
यह कहकर दर्जी फिर से कपड़े सीने लगा
शागिर्द की उलझन दूर हुई और
वह सुई में धागा पिरोने लगा।

30 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **3**

खैर, खून, खाँसी, खुसी वैर, प्रीति, मदपान।
रहिमन दाबै न दबैं, जानत सकल ज़हान॥

अथवा

फाग गाता मास फागुन
आ गया है आज जैसे।
देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में
दूर व्यापारिक नगर से
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

31 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×2=4**

(क) बहादुर के चले जाने पर सबसे अधिक किन्हें अपनी गलतियों का अहसास होता है और क्यों?

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर द्वारा राजकुमार और गौरैया को स्वर्ग में स्थान देने की बात से कहानीकार क्या संदेश देना चाहता है?

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक का कौन–सा पात्र आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों?

32 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

नाखून का बढ़ना मनुष्य के भीतर की पशुता की निशानी है और उसे नहीं बढ़ने देना मनुष्य की अपनी इच्छा है; अपना आदर्श है। बृहत्तर जीवन में अस्त्र–शस्त्रों को बढ़ने देना मनुष्य की पशुता की निशानी है और उनकी बाढ़ को रोकना मनुष्यत्व का तकाज़ा है। मनुष्य में जो घृणा है जो अनायास – बिना सिखाये – आ जाती है, वह पशुत्व की द्योतक है और अपने को संयत रखना, दूसरे के मनोभावों का आदर करना मनुष्य का स्वधर्म है। बच्चे यह जाने तो अच्छा हो कि अभ्यास और तप से वस्तुएँ, मनुष्य की महिमा को सूचित करती हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम बताइए। **1**

(ख) गद्यांश का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) आज के परिवेश में नई पीढ़ी में सद्‌गुणों का विकास किन–किन उपायों द्वारा हो सकता है? **2**

अथवा

बटेर लड़ रहे हैं। तीतरों की लड़ाई के लिए पाली बदी जा रही है। कहीं चौसर बिछी हुई है, पौ–बारह का शोर मचा हुआ है। कहीं शतरंज का घोर संग्राम छिड़ा हुआ है। राजा से लेकर रंक तक इसी धुन में मस्त थे। यहाँ तक कि फकीरों को पैसे मिलते तो वे रोटियाँ न लेकर अफ़ीम खाते या मदक पीते। शतरंज, ताश गंजीफ़ा खेलने से बुद्धि तीव्र होती है, विचार शक्ति का विकास होता है, पेचीदा मसलों को सुलझाने की आदत पड़ती है – ये दलीलें/ज़ोरों के साथ पेश की जाती थीं (इस सम्प्रदाय के लोगों से दुनिया अब भी खाली नहीं है।) इसलिए, अगर मिरज़ा सज्जाद अली और मीर रौशन अली अपना अधिकांश समय बुद्धि तीव्र करने में व्यतीत करते थे, तो किसी विचारशील पुरुष को क्या आपत्ति हो सकती है?

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम बताइए। **1**

(ख) इस गद्यांश का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) उपर्युक्त गद्यांश की भाषा–शैली पर टिप्पणी लिखिए। **2**

33 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **5**

तो बच्चा! ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके ही सेर खाजा हो। सो बच्चा चलो यहाँ से। ऐसी अंधेर नगरी में हज़ार मन मिठाई मुफ़्त की मिले, तो किस काम की? यहाँ एक छन नहीं रहना।

गुरुजी, ऐसा तो संसार–भर में कोई देस ही नहीं है। दो पैसा पास रहने ही मज़े में पेट भरता है। मैं तो इस नगरी को छोड़कर नहीं जाऊँगा।

अथवा

गौतम ने ठीक ही कहा था कि मनुष्य की मनुष्यता यही है कि वह सबके दुख–सुख को सहानुभूति के साथ देखता है। यह आत्म–निर्मित बंधन ही मनुष्य को मनुष्य बनाता है। अहिंसा, सत्य और अक्रोधमूलक धर्म का मूल उत्स यही है। मुझे आश्चर्य होता है कि अनजाने में भी हमारी भाषा में यह भाव कैसे रह गया है! लेकिन, मुझे नाखून के बढ़ने पर आश्चर्य हुआ था।

34 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×3=6**

(क) इलेक्ट्रॉनिक अखबार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ख) ईश्वर और उसका देवदूत, सुखी राजकुमार कहानी का कौन–सा वास्तविक उद्देश्य हमारे समक्ष प्रस्तुत करते हैं?

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी को लिखने के पीछे प्रेमचंद का क्या उद्देश्य था?

(घ) निर्मला के प्रति बहादुर का व्यवहार कैसा था? उसका वर्णन कीजिए।

35 खेल का सामान बेचने वाली कंपनी 'स्पोर्ट्स इंटरनेशनल' से आपने जो सामान मंगाया था, वह घटिया स्तर का और महँगा भेजा गया। कंपनी के प्रबंधक को इसकी शिकायत करते हुए पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपके मित्र का बनाया हुआ मॉडल अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान मेले के लिए चुना गया है। उसे बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

36 निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए – 7

(क) ग्रामीण–शहरी प्रवास – लाभ और हानियाँ

(ख) बीता समय फिर लौट कर नहीं आता

(ग) भारत की अंतरिक्ष यात्रा में प्रगति

(घ) एक सपने का वर्णन

37 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसका सार एक–तिहाई शब्दों में लिखिए – 5

प्रत्येक मनुष्य अपनी रुचि के अनुसार अपना जीवन लक्ष्य निर्धारित करता है। कोई व्यापारी बनना चाहता है तो कोई सरकारी कर्मचारी, कोई इंजीनियर बनने की लालसा से प्रेरित है तो कोई डॉक्टर बनना चाहता है। स्वार्थ पूर्ति के लिए किया गया काम उच्च कोटि की संज्ञा नहीं पा सकता। स्वार्थ के पीछे तो संसार पागल है। लोग भूल गए हैं कि जीवन का रहस्य निष्काम सेवा है। जो व्यक्ति लालच से प्रेरित होकर काम करता है, वह कभी सुपरिणाम नहीं ला सकता। उससे समाज का कोई भला नहीं होता। निष्काम सेवा के द्वारा ही मनुष्य समाज के प्रति अपना उत्तरदायित्व निभा सकता है। निष्काम सेवा के द्वारा ही ईश्वर को प्राप्त किया जाता है। समाज और देश को उन्नति की ओर ले जाने का श्रेष्ठतम तथा सरलतम साधन यही है। हमारे संत कवियों तथा समाज सुधारकों ने इसी भाव से प्रेरित होकर अपनी चिंता छोड़ देश और समाज के कल्याण का रास्ता चुना। वे राष्ट्र और समाज के लिए बहुत कुछ कर पाए। अपने लिए तो सभी जीते हैं जो दूसरों के लिए जीता है उसका जीवन अमर हो जाता है। वही मनुष्य महान है जो मनुष्य के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दे।

इस प्रश्न–पत्र में **37 प्रश्न** तथा **12 मुद्रित पृष्ठ** हैं।

Roll No. | | | | | | | | | | | | |
अनुक्रमांक

Code No. 68/OS/2
कोड नं.

Set / सेट – C

HINDI
हिन्दी
(201)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ____________________

2. ____________________

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई **एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में सही उत्तर लिखना है।

4 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ–साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।

5 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।

6 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नं. **68/OS/2, सेट – C** लिखें।

HINDI

हिन्दी

(201)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश :

(i) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या **37** है और सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक उनके समक्ष दिये गए हैं।

(iii) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं – खंड 'अ' और खंड 'ब'।

(iv) खंड 'अ' में वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय और खंड 'ब' में विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(v) खंड 'अ' में कुल **27** प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **1 से 5** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **6** अपठित कविता पर, प्रश्न संख्या **7 से 19** पठित गद्य पर, प्रश्न संख्या **20** अपठित गद्यांश पर और प्रश्न संख्या **21 से 27** व्याकरण पर आधारित प्रश्न हैं।

(vi) खंड 'ब' में कुल **10** प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **28 से 30** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **31 से 34** पठित गद्य पर तथा प्रश्न संख्या **35 से 37** लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न हैं। प्रश्नों के साथ उनके आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सामान्य अनुदेश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

2. इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा। **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

खंड 'अ'

(वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय)

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।

1 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) आज़ादी कविता में दर्जी ने शागिर्द से कहा कि आज़ादी एक ______ है जिसका माध्यम ______ है। **1×2=2**

(ख) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता की कवयित्री _____ तथा व्यक्तिगत ______ को मानव–विरोधी भाव बताती है। **1×2=2**

2 आह्वान कविता के अनुसार भाग्य भी उसी का साथ देता है जो मेहनती और ______ होते हैं। **1**

3 कबीर ने मनुष्य के तन को ______ के घड़े जैसा माना है। **1**

(A) चाँदी (B) पीतल

(C) सोने (D) मिट्टी

4 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए :

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में 'नदियाँ मुँह ढाँपकर रोती हैं' का अर्थ है _____। **1**

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने चाँद के बारे में यह कल्पना की है कि चाँद एक चाँदी का ______ है। **1**

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है मूर्ख जिसकी ______ का विकास न हुआ हो। **1**

5 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) _____ और _____ सिक्के के दो पहलू हैं। आज़ादी को बनाए रखने के इन दोनों की आवश्यकता है। **1×2=2**

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में सफेद बगुलों को _____ बताकर उसके माध्यम से ______ व्यक्तियों के ऊपर व्यंग्य किया है। **1×2=2**

6 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 4

मैं चला, तुम्हें भी चलना है असिधारों पर,
सर काट हथेली पर लेकर बढ़ आओ तो।
इस युग को नूतन स्वर तुमको ही देना है,
अपनी क्षमता को आज ज़रा अज़माओ तो।
दे रहा चुनौती समय अभी नवयुवकों को,
मैं किसी तरह मंजिल तक पहले पहुँचूँगा।
इस महाशांति के लिए हवन–वेदी पर मैं,
हंसते–हंसते प्राणों की बलि दे जाऊँगा।
तुम बना सकोगे भूतल का इतिहास नया,
मैं गिरे–हुए लोगों को गले लगाऊँगा।
क्यों ऊँच–नीच, कुल जाति, रंग का भेद–भाव?
मैं रूढ़िवाद का कल्मष–महल ढहाऊँगा।
जिनका जीवन वसुधा की रक्षा हेतु बना,
मर कर भी सदियों तक यों ही वे जीते हैं।
दुनिया को देते हैं यश की रसधार विमल,
खूब हंसते–हंसते कालकूट को पीते हैं।
है अगर तुम्हें यह भूख 'मुझे भी जीना है।'
तो आओ मेरे साथ नींव में गढ़ जाओ।
ऊपर इसके निर्मित होगा आनंद–महल,
मरते–मरते भी दुनिया में कुछ कर जाओ।

(i) यह कविता क्या प्रेरणा देती है?

(A) आत्मबलिदान की। (B) संघर्ष की।
(C) चुनौती की। (D) युद्ध की।

(ii) 'असिधारों पर चलने' का आशय है ______

(A) संकटों में जीना।
(B) मृत्यु–पथ पर चलना।
(C) मौत का खतरा उठाकर कर्म करना।
(D) कठिन–कर्म करना।

(iii) '<u>मरते–मरते</u> भी दुनिया में कुछ कर जाओ।' रेखांकित में कौन–सा अलंकार है?

(A) उपमा (B) रूपक
(C) उत्प्रेक्षा (D) पुनरुक्ति प्रकाश

(iv) 'नींव में गढ़ जाना' प्रतीकार्थ है ______

(A) चुपचाप मरना। (B) मौन रूप से समर्पण करना।
(C) मौन रहकर जीना। (D) मौत को गले लगाना।

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

7 अनौपचारिक पत्र को ______ भी कहते हैं। 1

8 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×2=2

(क) 'बहादुर' पाठ के लेखक हैं ______।

(ख) अंधेर नगरी एक ______ है, जिसमें शासन–व्यवस्था की विसंगतियों का उद्घाटन किया गया है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए:

9 निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए – 1×2=2

(क) 'मेरा काम सबसे पहले होना चाहिए।' ______

(ख) 'कल घोषणा करवा दो कि यहाँ चिड़ियाँ न मरने पाएँ।' ______

10 नीचे दिए गए कथनों को उत्तर–पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत। 1×2=2

(क) निबंध में क्रमबद्धता होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा प्रभावशाली होने चाहिए।

(ख) 'अंधेर नगरी' नाटक में महंत का पात्र लालची और स्वार्थी है।

11 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ के अनुसार चरितार्थता प्रेम में है, ______ में है, ______ में है। अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में हैं। 1×2=2

(क) प्रेम, जिज्ञासा (ख) मैत्री, त्याग

(ग) मैत्री, पशुता (घ) त्याग, स्वार्थ

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए :

12 नीचे दिए गए पाठों और उनकी विधाओं के सही युग्म चुनिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – 1×2=2

पाठ का नाम	पाठ की विधा
(क) बहादुर	ललितनिबंध
(ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं?	कहानी

13 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×2=2

(क) मैं ______ में रहता था, जहाँ दुख को प्रवेश करने की इज़ाजत नहीं थी।

(ख) वाजिद अली शाह का समय था, लखनऊ ______ के रंग में डूबा हुआ था।

14 किसी भी उत्पाद अथवा योजना की जानकारी देने के उद्देश्य से सरल और रोचक भाषा में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत की गई सूचनाओं को क्या कहते हैं? ______ 1

(A) फ़ीचर (B) विज्ञापन

(C) साक्षात्कार (D) समाचार

15 गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य से क्या सीखती है? ______ 1

(A) तरस खाना (B) आत्म–विश्लेषण

(C) निस्वार्थ प्रेम (D) दया करना

16 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ के अनुसार मरे हुए बच्चे को गोद में दबाए रखने वाली बंदरिया का उदाहरण देने का उद्देश्य है : ______ 1

(A) मोह–ममता को बनाए रखना। (B) परंपराओं का पालन करना।

(C) रूढ़ियों का मोह त्यागना। (D) नए को शंका की दृष्टि से देखना

17 शतरंज के खिलाड़ी कहानी के पात्र मिरज़ा साहब में मीर साहब के प्रति प्रतिकार की भावना आती जा रही थी क्योंकि ______ 1

(A) उनकी बेगम में उनके प्रति गुस्सा था। (B) वे उनके कट्टर शत्रु थे।

(C) उन्हें सिपाही उकसाते थे। (D) वे शतरंज में लगातार हार रहे थे।

18 सरकारी कार्यालयों में सार–लेखन का प्रयोग ______ किया जाता है। 1

(A) समय बचाने के लिए। (B) पैसे खर्च करने के लिए।

(C) फाइलें फेंकने के लिए। (D) कार्रवाई न करनी पड़े इसलिए।

19 सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया बार–बार मिस्र देश का जिक्र करती है। इससे उसके चरित्र की इस विशेषता का पता चलता है कि उसे ______ है। 1

20 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 4

शिशु में स्वावलंबन के भाव को जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। पराश्रित रहने की आदत से व्यक्ति अपंग हो जाता है। जो स्वयं अपनी छोटी–मोटी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर आश्रित रहेगा, वह दूसरों के हित के लिए कुछ भी नहीं कर पाएगा। स्वावलंबन का गुण शिशु में स्वतः ही नहीं आ जाता, इसके लिए सुनियोजित शिक्षा–पद्धति परिहार्य है। शिशु को यदि हम राष्ट्र की अमूल्य निधि के रूप में देखना चाहते हैं तो उसे एक ऐसा आदर्श वातावरण प्रदान करना है जिसमें निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास हो सके। स्वच्छ, शांत, भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में ही शिशु की कोमल भावनाएँ सुरक्षित रह सकती हैं। शिशु की सुकोमल भावनाओं को आघात पहुँचाना सामाजिक अपराध है। राष्ट्र का यह पुनीत कर्तव्य है कि वह प्रत्येक बालक को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराए कि उसमें हीन भावना न पनपने पाए। हीन भावना से ग्रसित बालक बड़ा होने पर समाज के प्रति अपने कर्तव्य का सही रूप में निर्वाह नहीं कर सकता। हमें बालक के अंदर से 'मेरे' और 'अपने' के भाव को हटाकर 'हमारा' का भाव पैदा करना है। इससे शिशु में आध्यात्मिक चेतना भी जागेगी, उसका नाता पूर्वज़ों से और देश की मिट्टी से जुड़ेगा और उसके अंतःकरण का विकास होगा।

(i) शिशु को राष्ट्र की अमूल्य निधि किस प्रकार बनाया जा सकता है?

(A) निर्बाध गति से उसे जोड़कर

(B) निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास करके

(C) निर्बाध गति से उसे आश्रित बनाकर

(D) निर्बाध गति से उसे आगे बढ़ाकर

(ii) गद्यांश के आधार पर राष्ट्र का पुनीत कर्तव्य क्या है?

(A) बच्चे में हीन भावना पनपने न देना।

(B) बच्चे की सुकोमल भावनाओं को संभालना।

(C) बच्चे की भावना को सुरक्षित न रखना।

(D) बच्चे को स्वस्थ और सबल वातावरण प्रदान करना।

(iii) बच्चे को संकीर्णता से उबारने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

(A) उसके भीतर दया का भाव जगाना चाहिए।

(B) उसके भीतर 'मेरे' और 'अपने' का भाव जगाना चाहिए।

(C) उसके भीतर 'हमारा' का भाव जगाना चाहिए।

(D) उसके भीतर आध्यात्मिकता का भाव जगाना चाहिए।

(iv) शिशु में 'हमारा' का भाव भरने पर क्या होगा?

(A) अंतःकरण जीवित हो जाएगा।

(B) आध्यात्मिक चेतना जागेगी और अंतःकरण का विकास होगा।

(C) आध्यात्मिक चेतना को रास्ता मिलेगा।

(D) उसकी सोच में संकीर्णता आएगी।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

21 'बगुला भगत' मुहावरे का अर्थ है ______ । **1**

(A) साधु (B) कपटी

(C) नेता (D) अधिकारी

22 निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है ______ । **1**

(A) दुकानदार नौकर से दुकान का ताला खुलवाया।

(B) दुकानदार ने नौकर से दुकान का ताला खुलवाया।

(C) नौकर ने दुकान से ताला खुलवाया दुकानदार से।

(D) खुलवाया ताला नौकर से दुकानदार ने दुकान का।

23 ऋणमुक्त ______ समास का उदाहरण है। **1**

(A) तत्पुरुष (B) द्वंद्व

(C) बहुव्रीहि (D) अव्ययीभाव

24 बिल्ली झाड़ियों के पीछे छिपकर बैठ गई और कुत्ते के जाने की प्रतीक्षा करने लगी। **1**

यह ______ वाक्य है।

(A) संयुक्त (B) मिश्र

(C) सरल (D) प्रश्नवाचक

25 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×2=2**

(i) बदनाम शब्द में ______ उपसर्ग का प्रयोग किया गया है।

(ii) मिलावट शब्द में ______ प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

26 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×2=2**

(i) मतैक्य का संधि–विच्छेद ______ है।

(ii) उत्तरोत्तर का संधि–विच्छेद ______ है।

27 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×2=2**

(i) चाँदनी, छत्र, दुग्ध, डिग्री में से तद्भव शब्द है ______।

(ii) गमला, बाज़ार, उज्ज्वल, कंगन में से तत्सम शब्द है ______।

खंड 'ब'

(विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक)

28 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **3**

खैर, खून, खाँसी, खुसी वैर, प्रीति, मदपान।
रहिमन दाबै न दबैं, जानत सकल ज़हान॥

अथवा

फाग गाता मास फागुन
आ गया है आज जैसे।
देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में
दूर व्यापारिक नगर से
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

29 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×3=6**

(क) आपके विचार में आज़ादी का वास्तविक अर्थ क्या है?

(ख) 'आह्वान' कविता के कवि ने 'उद्‌बोधन' और 'आह्वान' में क्या अंतर बताया है?

(ग) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुःख' कविता में कवयित्री ने किन विषयों पर चिंता प्रकट की है?

(घ) कबीर के अनुसार एक व्यक्ति में ऊँचे कुल में जन्म लेने के साथ–साथ और क्या होना आवश्यक है?

30 निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए– **4**

कभी महसूस किया कि किस कदर दहलता है
मौन समाधि लिए बैठे पहाड़ का सीना
विस्फोट से टूटकर जब छिटकता दूर
तक, कोई पत्थर?
सुनाई पड़ी है कभी भरी दुपहरिया में,
हथौड़ों की चोट से टूटकर बिखरते
पत्थरों की चीख़?

अथवा

आज़ादी वह फसल है जिसे
बोने वाला ही काट सकता है,
वह रोटी, जिसे मेहनती ही खा सकता है,
यह वह कपड़ा है, जिसे दर्जी ही पहन सकता है",
यह कहकर दर्जी फिर से कपड़े सीने लगा
शागिर्द की उलझन दूर हुई और
वह सुई में धागा पिरोने लगा।

31 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

नाखून का बढ़ना मनुष्य के भीतर की पशुता की निशानी है और उसे नहीं बढ़ने देना मनुष्य की अपनी इच्छा है; अपना आदर्श है। बृहत्तर जीवन में अस्त्र–शस्त्रों को बढ़ने देना मनुष्य की पशुता की निशानी है और उनकी बाढ़ को रोकना मनुष्यत्व का तकाज़ा है। मनुष्य में जो घृणा है जो अनायास – बिना सिखाये – आ जाती है, वह पशुत्व की द्योतक है और अपने को संयत रखना, दूसरे के मनोभावों का आदर करना मनुष्य का स्वधर्म है। बच्चे यह जाने तो अच्छा हो कि अभ्यास और तप से वस्तुएँ, मनुष्य की महिमा को सूचित करती हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम बताइए। **1**

(ख) गद्यांश का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) आज के परिवेश में नई पीढ़ी में सद्‌गुणों का विकास किन–किन उपायों द्वारा हो सकता है? **2**

अथवा

बटेर लड़ रहे हैं। तीतरों की लड़ाई के लिए पाली बदी जा रही है। कहीं चौसर बिछी हुई है, पौ–बारह का शोर मचा हुआ है। कहीं शतरंज का घोर संग्राम छिड़ा हुआ है। राजा से लेकर रंक तक इसी धुन में मस्त थे। यहाँ तक कि फकीरों को पैसे मिलते तो वे रोटियाँ न लेकर अफ़ीम खाते या मदक पीते। शतरंज, ताश गंजीफ़ा खेलने से बुद्धि तीव्र होती है, विचार शक्ति का विकास होता है, पेचीदा मसलों को सुलझाने की आदत पड़ती है – ये दलीलें/ज़ोरों के साथ पेश की जाती थीं (इस सम्प्रदाय के लोगों से दुनिया अब भी खाली नहीं है।) इसलिए, अगर मिरज़ा सज्जाद अली और मीर रौशन अली अपना अधिकांश समय बुद्धि तीव्र करने में व्यतीत करते थे, तो किसी विचारशील पुरुष को क्या आपत्ति हो सकती है?

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम बताइए। **1**

(ख) इस गद्यांश का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) उपर्युक्त गद्यांश की भाषा–शैली पर टिप्पणी लिखिए। **2**

32 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×3=6**

(क) शतरंज के खिलाड़ी कहानी के लेखक प्रेमचन्द ने ऐसा क्यों लिखा – "यह वह कायरपन था, जिस पर बड़े–बड़े कायर भी आँसू बहाते हैं।"

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया राजकुमार को कौन–कौन सी कहानियाँ सुनाती है?

(ग) अख़बार में प्रकाशित होने वाली फोटो का क्या महत्व होता है?

(घ) 'अंधेर नगरी' नाटक में राजा के हुक्म के बाद बकरी के मरने के लिए किन–किन को जिम्मेदार के रूप में पकड़ा गया? और वे सब छूट कैसे गए?

33 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **5**

तो बच्चा! ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके ही सेर खाजा हो। सो बच्चा चलो यहाँ से। ऐसी अंधेर नगरी में हज़ार मन मिठाई मुफ़्त की मिले, तो किस काम की? यहाँ एक छन नहीं रहना।

गुरुजी, ऐसा तो संसार–भर में कोई देस ही नहीं है। दो पैसा पास रहने ही मज़े में पेट भरता है। मैं तो इस नगरी को छोड़कर नहीं जाऊँगा।

अथवा

गौतम ने ठीक ही कहा था कि मनुष्य की मनुष्यता यही है कि वह सबके दुख–सुख को सहानुभूति के साथ देखता है। यह आत्म–निर्मित बंधन ही मनुष्य को मनुष्य बनाता है। अहिंसा, सत्य और अक्रोधमूलक धर्म का मूल उत्स यही है। मुझे आश्चर्य होता है कि अनजाने में भी हमारी भाषा में यह भाव कैसे रह गया है! लेकिन, मुझे नाखून के बढ़ने पर आश्चर्य हुआ था।

34 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×2=4**

(क) बहादुर के चले जाने पर सबसे अधिक किन्हें अपनी गलतियों का अहसास होता है और क्यों?

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर द्वारा राजकुमार और गौरैया को स्वर्ग में स्थान देने की बात से कहानीकार क्या संदेश देना चाहता है?

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक का कौन–सा पात्र आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों?

35 निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए – **7**

(क) आत्मनिर्भर भारत

(ख) विद्यार्थियों में बढ़ता विदेशी आकर्षण

(ग) लड़कियों के लिए शिक्षा का महत्व

(घ) मेरा प्रिय शिक्षक / शिक्षिका

36 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसका सार एक–तिहाई शब्दों में लिखिए – **5**

प्रत्येक मनुष्य अपनी रुचि के अनुसार अपना जीवन लक्ष्य निर्धारित करता है। कोई व्यापारी बनना चाहता है तो कोई सरकारी कर्मचारी, कोई इंजीनियर बनने की लालसा से प्रेरित है तो कोई डॉक्टर बनना चाहता है। स्वार्थ पूर्ति के लिए किया गया काम उच्च कोटि की संज्ञा नहीं पा सकता। स्वार्थ के पीछे तो संसार पागल है। लोग भूल गए हैं कि जीवन का रहस्य निष्काम सेवा है। जो व्यक्ति लालच से प्रेरित होकर काम करता है, वह कभी सुपरिणाम नहीं ला सकता। उससे समाज का कोई भला नहीं होता। निष्काम सेवा के द्वारा ही मनुष्य समाज के प्रति अपना उत्तरदायित्व निभा सकता है। निष्काम सेवा के द्वारा ही ईश्वर को प्राप्त किया जाता है। समाज और देश को उन्नति की ओर ले जाने का श्रेष्ठतम तथा सरलतम साधन यही है। हमारे संत कवियों तथा समाज सुधारकों ने इसी भाव से प्रेरित होकर अपनी चिंता छोड़ देश और समाज के कल्याण का रास्ता चुना। वे राष्ट्र और समाज के लिए बहुत कुछ कर पाए। अपने लिए तो सभी जीते हैं जो दूसरों के लिए जीता है उसका जीवन अमर हो जाता है। वही मनुष्य महान है जो मनुष्य के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दे।

37 रेल यात्रा में सामान चोरी हो जाने की सूचना देते हुए रेलवे पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

पिताजी को पत्र लिखकर स्पष्ट कीजिए कि इस वर्ष आप ग्रीष्मावकाश में क्या करना चाहते हैं?